बृहस्पतिवार
34 साल से देहरादून का विश्वास
19 नवम्बर 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 298
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

देहरादून जू में 'तेजस' की एंट्री

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून के मालसी स्थित चिड़ियाघर में सफेद बाघ 'तेजस' के बाड़े का लोकार्पण कर उसे पर्यटकों के अवलोकनार्थ समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सफेद बाघ 'तेजस' के आगमन से देहरादून चिड़ियाघर का आकर्षण और बढ़ेगा तथा यहां आने वाले पर्यटकों को वन्यजीवों के अवलोकन

◆सीएम ने चिड़ियाघर में सफेद बाघ तेजस के बाड़े का किया लोकार्पण

का नया अनुभव प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून चिड़ियाघर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां प्रतिवर्ष लगभग 8.50 लाख पर्यटक आते हैं तथा सात करोड़ रुपये से अधिक की आय प्राप्त होती है। सफेद बाघ के आने से पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में इस प्रकार का सफेद बाघ पहली बार लाया गया है। इससे पूर्व भी चिड़ियाघर में अन्य प्रजाति के दो बाघ लाए गए थे, जिनके कारण पर्यटकों का आकर्षण बढ़ा है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून चिड़ियाघर केवल पर्यटन का केंद्र ही नहीं, बल्कि वन्यजीवों एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। यहां आने वाले बच्चों और युवाओं को वन्यजीवों, वनों की जैव विविधता तथा पारिस्थितिकी तंत्र को समझने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में बच्चों के लिए चिड़ियाघर में नि:शुल्क भ्रमण की व्यवस्था की गई थी, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया है। इस पहल से बच्चों को वन्यजीवों के बारे में जानकारी प्राप्त करने तथा प्रकृति एवं पर्यावरण के साथ उनके संबंध को समझने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि देहरादून चिड़ियाघर में कॉलेजों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी नि:शुल्क प्रवेश की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता एवं पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा। इससे युवाओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और वे भविष्य में राज्य एवं देश के विकास के साथ ही प्रकृति संरक्षण में भी अपना योगदान दे सकेंगे। इस अवसर पर वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल, प्रमुख सचिव वन श्री आर. के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) श्री कपिल लाल सहित वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

युवती पेट्रोल लेकर पहुंची थाने

◆खुद को आग लगाने का किया प्रयास, घटना का वीडियो वायरल

हमारे संवाददाता

देहरादून। चकराता क्षेत्र में एक युवती के थाने पहुंचकर हंगामा करने का वीडियो सामने आया है, जिसने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। युवती का आरोप है कि एक युवक पिछले छह सालों से शादी का झांसा देकर उसका शोषण कर रहा था और उसने इस मामले में तहरीर भी दी थी, लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया, जिससे वह बेहद आहत और गुस्से में थी।

वायरल वीडियों में युवती हाथ में पेट्रोल की कैन लेकर थाने के परिसर में पहुंचती नजर आ रही है। वह बार बार यही कहती सुनाई दे रही है कि वह पिछले 48 घंटों से थाने में बैठी है, उसके बयान हो चुके हैं, फिर भी गिरफ्तारी क्यों नहीं हो रही है और एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की जा रही है। वह



पुलिस पर आरोप लगा रही है कि जब वह जख्मी हालत में थी तब पुलिस साथ नहीं आई, लेकिन अब आरोपी को बचाने के लिए पहुंच रही है।

हालात तब और बिगड़ गए जब पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो वह खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने लगी। मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मियों और अन्य पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद उसे पकड़ा और कैन छीनकर उसे अंदर ले जाया गया। इस दौरान थाने में काफी देर तक अफरा तफरी का माहौल रहा और बड़ी संख्या में लोग वीडियो बनाते नजर आए।

इस घटना के बाद अब सवाल उठ रहा है कि अगर युवती ने पहले ही तहरीर दी थी तो मुकदमा दर्ज करने में देरी क्यों हुई और पीड़िता को इस हद तक मजबूर क्यों होना पड़ा कि उसे थाने में इस तरह का कदम उठाना पड़ा। पुलिस का इस पूरे मामले पर अभी आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सोने की शुद्धता पर चीन की चोट

भारत में सोना सिर्फ एक कीमती धातु नहीं है। यह करोड़ों परिवारों की बचत, सामाजिक प्रतिष्ठा, परंपरा और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा है। बेटी की शादी हो या जीवनभर की कमाई को सुरक्षित रखने का सवाल, भारतीय समाज में सोने को सबसे भरोसेमंद निवेशों में गिना जाता है। यही वजह है कि सोने की शुद्धता को लेकर लोगों का भरोसा किसी सामान्य व्यापारिक उत्पाद से कहीं अधिक संवेदनशील है। लेकिन चीन से कथित तौर पर आ रहे रेनियम पाउडर ने इस भरोसे की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। जोधपुर में सामने आए एक प्रयोग ने सोने की शुद्धता जांचने वाली मौजूदा व्यवस्था की गंभीर कमजोरियों को उजागर किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 7.83 ग्राम 24 कैरेट सोने में एक ग्राम रेनियम पाउडर मिलाया गया। मिश्रण का वजन बढ़कर 8.83 ग्राम हो गया, लेकिन सामान्य जांच में उसे 24 कैरेट सोना बताया गया। इसके बाद इसी मिश्रण से आभूषण तैयार किया गया। हैरानी यह कि कथित तौर पर उसे 22 कैरेट का हॉलमार्क भी मिल गया, जबकि उसकी वास्तविक सोने की मात्रा महज 81.73 प्रतिशत बताई गई, जो लगभग 20 कैरेट के बराबर है। यह महज मिलावट का एक नया तरीका नहीं, बल्कि उस व्यवस्था के सामने खड़ा गंभीर सवाल है, जिसे उपभोक्ता की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सवाल यह नहीं कि किसी जालसाज ने सोने में दूसरी धातु मिला दी। सवाल यह है कि जब सामान्य जांच मशीनें और हालमार्किंग केंद्र कथित मिलावट को पहचान नहीं पाए तो फिर हालमार्क की विश्वसनीयता का आधार क्या है? सरकार ने हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाकर उपभोक्ताओं को भरोसे की एक व्यवस्था देने का दावा किया था। बीआईएस का चिह्न, शुद्धता का अंक और एचयूआईडी नंबर देखकर ग्राहक यह मानता है कि उसने अपनी मेहनत की कमाई से जो सोना खरीदा है, उसकी गुणवत्ता प्रमाणित है। लेकिन यदि प्रमाणन की प्रक्रिया ही किसी ऐसी मिलावट को पकड़ने में नाकाम हो जाए जो सोने का वजन बढ़ा रही है और उसकी वास्तविक मात्रा घटा रही है, तो यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती दिखाई देती है। यहां यह समझना भी जरूरी है कि हॉलमार्किंग व्यवस्था के हर केंद्र को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। सामने आया प्रयोग कुछ नमूनों और जांचों पर आधारित है। लेकिन यही प्रयोग इतना गंभीर है कि भारतीय मानक ब्यूरो और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को तत्काल इसकी स्वतंत्र और वैज्ञानिक जांच करानी चाहिए। आखिर रेनियम जैसी भारी धातु सामान्य जांच में क्यों नहीं पकड़ी गई? क्या मौजूदा मशीनों की तकनीकी क्षमता में खामी है? क्या जांच की प्रक्रिया में बदलाव की जरूरत है? और क्या पहले से बाजार में मौजूद आभूषणों की भी नए सिरे से जांच होनी चाहिए? सबसे चिंताजनक पहलू सरकारी निगरानी का है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की मसौदा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में पंजीकृत 81 प्रतिशत ज्वैलर्स का निरीक्षण नहीं किया गया। वहीं बीआईएस द्वारा अपने मान्यता प्राप्त जांच एवं हालमार्किंग केंद्रों की निगरानी का लक्ष्य भी 43.7 प्रतिशत तक अधूरा रहा। यदि निगरानी की यह स्थिति है तो मिलावटखोरों के लिए रास्ते कितने आसान हो सकते हैं, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। सोने के कारोबार में पारदर्शिता केवल व्यापारियों की नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सरकार की नियामक जिम्मेदारी भी है। चीन से आने वाले पाउडर के भारतीय बाजार में कथित वितरण और उसके इस्तेमाल की आशंकाओं की तह तक जाना जरूरी है। यदि किसी धातु का इस्तेमाल सोने का वजन बढ़ाने और उसकी वास्तविक शुद्धता छिपाने के लिए किया जा रहा है तो यह सामान्य व्यापारिक अनियमितता नहीं, बल्कि सुनियोजित आर्थिक धोखाधड़ी का मामला है। इसकी आपूर्ति श्रृंखला, आयात के रास्ते, वितरकों और इस्तेमाल करने वालों की जांच होनी चाहिए। इस मामले का सबसे बड़ा शिकार आम उपभोक्ता होगा। करोड़ों रुपये का सोना खरीदने वाला व्यक्ति किसी प्रयोगशाला में जाकर उसकी रासायनिक संरचना की जांच नहीं कराता। वह दुकानदार की साख और सरकारी हालमार्क पर भरोसा करता है। यदि दोनों ही स्तरों पर धोखा मिलने लगे तो उपभोक्ता के पास सुरक्षा का कौन-सा रास्ता बचेगा? जिस आभूषण के लिए उसने 22 कैरेट सोने की कीमत चुकाई, यदि उसमें वास्तविक सोना 20 कैरेट के आसपास निकले तो आर्थिक नुकसान सिर्फ धातु की कीमत तक सीमित नहीं रहेगा। यह उस भरोसे का नुकसान भी होगा, जिस पर पूरा सराफा कारोबार खड़ा है। इसलिए अब केवल ग्राहकों को सावधान रहने की सलाह देकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। बीआईएस को रेनियम, रुथेनियम, इरिडियम और आस्मियम जैसी भारी धातुओं की मिलावट पहचानने के लिए जांच मानकों को तत्काल मजबूत करना चाहिए। आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों से परीक्षण, हालमार्किंग केंद्रों का नियमित निरीक्षण, संदिग्ध आभूषणों के नमूनों की दोबारा जांच और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जरूरी है। दरअसल, यह मामला चीन के रेनियम पाउडर से कहीं आगे का है। यह उस भारतीय व्यवस्था की परीक्षा है, जो हर वस्तु की गुणवत्ता का प्रमाणपत्र देने का दावा करती है, लेकिन अपने प्रमाणपत्र की विश्वसनीयता की गारंटी देने में सवालों के घेरे में आ जाती है। बाजार में नकली सोना बिकना एक अपराध है, लेकिन सरकारी प्रमाणन की मुहर के साथ नकली शुद्धता बिकना उससे भी बड़ा संस्थागत संकट है। सोने की चमक से बाजार की आंखें चौंधिया सकती हैं, लेकिन सरकार और जांच एजेंसियों की आंखें बंद नहीं होनी चाहिए। हॉलमार्क पर भरोसा टूट गया तो नुकसान केवल सराफा कारोबार का नहीं होगा, उस व्यवस्था का होगा जिसे उपभोक्ता के विश्वास की रक्षा करनी थी। आखिर सवाल सोने का नहीं, उस भरोसे की कीमत का है जिसे कोई भी पाउडर मिलाकर नकली नहीं बनाया जा सकता।

उत्तराखंड में 'चुनावी मोड' में दल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव की उलटी गिनती के बीच भाजपा अब अपनी चुनावी तैयारियों को अगले चरण में ले जाने जा रही है। अब तक संगठनात्मक बैठकों, बूथ सशक्तीकरण, विधानसभा विस्तारकों की तैनाती और रणनीतिक बैठकों के जरिए जमीन तैयार कर रही पार्टी जल्द ही अपने चुनावी अभियान का औपचारिक ढांचा सामने लाएगी। संकल्प पत्र समिति से लेकर चुनाव प्रबंधन और चुनाव संचालन समितियों के गठन तक भाजपा अपनी पूरी चुनावी मशीनरी को सक्रिय करने की तैयारी में है। 26 नवंबर को प्रदेश चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के साथ इन समितियों के ऐलान की तैयारी है। यह केवल समितियों की घोषणा नहीं होगी, बल्कि भाजपा के मिशन 2027 का संगठनात्मक खाका भी सामने आएगा।

भाजपा की रणनीति साफ है। चुनाव की औपचारिक घोषणा का इंतजार करने के बजाय पार्टी पहले से ही चुनावी मैदान में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। इसके लिए प्रदेश स्तर से लेकर विधानसभा और बूथ स्तर तक जिम्मेदारियां बांटने की कवायद तेज हो गई है। 21 और 22 नवंबर को हरिद्वार में होने वाली विस्तृत प्रदेश कार्यसमिति की बैठक इसी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें प्रदेश प्रभारी राम माधव, सह प्रभारी अरविंद मेनन और बांसुरी स्वराज के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी आगामी चुनावी कार्यक्रमों पर मंथन करेंगे। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी भी इस बैठक को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाएगी।

भाजपा के लिए संकल्प पत्र केवल चुनावी वादों का दस्तावेज नहीं, बल्कि जनता के सामने अपनी राजनीतिक प्राथमिकताएं रखने का माध्यम होगा। पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों और अगले पांच वर्षों के सपनों के बीच ऐसा

◆चुनावी समितियों के ऐलान से रफ्तार पकड़ेगा चुनावी अभियान
◆प्रदेश चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के साथ तय होगी जिम्मेदारियां
◆मिशन 2027 के लिए संगठन से लेकर बूथ तक बिछेगी अब बिसात

संतुलन बनाए, जो मतदाताओं को प्रभावित कर सके। विकास, रोजगार, पलायन, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के अवसर, किसानों की समस्याएं, पर्यटन और पहाड़ की बुनियादी सुविधाएं संकल्प पत्र के महत्वपूर्ण विषय बन सकते हैं। लेकिन भाजपा के सामने सवाल केवल नए वादे करने का नहीं है। जनता यह भी जानना चाहेगी कि पिछले चुनाव में किए गए वादों का कितना हिसाब पूरा हुआ। बेरोजगारी, भर्ती प्रक्रियाओं, भ्रष्टाचार के आरोप, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा की बदहाल स्थिति तथा पलायन जैसे मुद्दों पर पार्टी को अपना पक्ष स्पष्ट करना होगा। ऐसे में संकल्प पत्र समिति की भूमिका महज घोषणाओं का पुलिंदा तैयार करने तक सीमित नहीं रहेगी।

चुनाव प्रबंधन समिति, चुनाव संचालन समिति और संकल्प पत्र समिति के गठन के साथ भाजपा चुनावी कामकाज को अलग-अलग हिस्सों में बांटने की तैयारी में है। इनमें वरिष्ठ नेताओं के साथ संगठनात्मक अनुभव रखने वाले पदाधिकारियों और चुनावी रणनीति में दक्ष चेहरों को जिम्मेदारी मिल सकती है। चुनाव प्रबंधन समिति जहां संसाधनों, कार्यक्रमों और संगठनात्मक समन्वय का काम देखेगी, वहीं चुनाव संचालन समिति प्रचार, जनसंपर्क और राजनीतिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पार्टी की कोशिश है कि चुनाव के दौरान किसी एक स्तर पर भी समन्वय की कमी न रहे। प्रदेश मुख्यालय से लेकर जिला, विधानसभा और बूथ स्तर तक सूचनाओं और निर्देशों का प्रभावी आदान-प्रदान हो। पहले ही सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में कोर कमेटियों के गठन और विधानसभा विस्तारकों की तैनाती के जरिए इस दिशा में काम शुरू किया जा चुका है।

भाजपा के लिए सबसे अहम काम सरकार के कामकाज को चुनावी विमर्श में बदलना होगा। पार्टी केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, बुनियादी ढांचे में निवेश, सड़क, रेल, धार्मिक पर्यटन, नकलरोधी कानून और प्रशासनिक फैसलों को जनता के बीच ले जाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चेहरे और सरकार के फैसलों को चुनावी अभियान का प्रमुख आधार बनाने की रणनीति भी इसी का हिस्सा है। इसके साथ ही विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के लिए भी पार्टी अलग से राजनीतिक और प्रचार रणनीति तैयार कर रही है। अंकिता भंडारी प्रकरण, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे संवेदनशील सवालों पर

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

अधूरे सवालों की 'अग्निपरीक्षा'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति इन दिनों मुद्दों के ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहां हर रास्ता 2027 के विधानसभा चुनाव की ओर जाता दिखाई दे रहा है। प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में मुद्दों की बाढ़ है। कोई अंकिता भंडारी प्रकरण को लेकर सरकार को घेर रहा है तो कोई बेरोजगारी और भर्ती घोटालों को चुनावी बहस के केंद्र में ला रहा है। कहीं जमीन और मूल निवास का सवाल है तो कहीं पलायन, भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था और विकास के दावों पर सियासी संग्राम छिड़ा है। भाजपा अपनी उपलब्धियों और राष्ट्रवाद के एजेंडे के साथ मैदान में है तो कांग्रेस सरकार की नाकामियों को हथियार बनाने की कोशिश में जुटी है। क्षेत्रीय दल और नए राजनीतिक संगठन भी इस राजनीतिक उथल-पुथल में अपने लिए जगह तलाश रहे हैं।

दरअसल, उत्तराखंड में चुनावी माहौल अभी पूरी तरह औपचारिक नहीं हुआ है, लेकिन राजनीतिक दलों की गतिविधियां बता रही हैं कि असली मुकाबले की पटकथा लिखी जाने लगी है। भाजपा संगठन को चुनावी मोड में लाने, समितियों के गठन और संकल्प पत्र की तैयारी में जुटी है। कांग्रेस भी सरकार के खिलाफ जनमुद्दों को लेकर आक्रामक रुख अपनाने की कोशिश कर रही है। ऐसे में प्रदेश की राजनीति में मुद्दों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इनमें से कितने मुद्दे जनता के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने वाले हैं और कितने केवल चुनावी हथियार बनकर रह जाएंगे।

अंकिता भंडारी हत्याकांड एक बार फिर प्रदेश की राजनीति के केंद्र में है। अंकिता के माता-पिता की न्याय की मांग, कथित वीआईपी की भूमिका का सवाल और सीबीआई जांच को लेकर उठती आवाजें सरकार के सामने लगातार चुनौती

◆उत्तराखंड के सियासी गलियारों में 2027 से पहले हर सवाल पर पक्ष और विपक्ष में महाभारत
◆अंकिता भंडारी से लेकर बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार तक गरमाया राजनीतिक माहौल
◆भाजपा-कांग्रेस के बीच आरोपों की जंग तेज, छोटे दल भी तलाश रहे अपनी सियासी जमीन

पेश कर रही हैं। विपक्ष इस मामले को लेकर सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग कर रहा है। भाजपा इसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाकर अपना बचाव कर रही है। लेकिन इस पूरे विवाद में सबसे महत्वपूर्ण सवाल अंकिता और उसके परिवार को न्याय मिलने का है। यह ऐसा मुद्दा है, जिसे केवल राजनीतिक बयानबाजी से समाप्त नहीं किया जा सकता।

उत्तराखंड में बेरोजगारी का सवाल चुनावी राजनीति को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, युवाओं को रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता और सरकारी पदों पर नियुक्तियों को लेकर सवाल लगातार उठते रहे हैं। सरकार नकलरोधी कानून और भर्ती प्रक्रियाओं में सुधार को अपनी उपलब्धि बताती है, लेकिन युवाओं की अपेक्षाएं इससे कहीं आगे हैं। उन्हें कानून के प्रचार से अधिक समयबद्ध भर्ती, स्थायी रोजगार और अपने प्रदेश में भविष्य की संभावनाएं चाहिए। कांग्रेस इस नाराजगी को राजनीतिक समर्थन में बदलना चाहती है, जबकि भाजपा सरकार के फैसलों के जरिए युवाओं को भरोसा दिलाने की कोशिश में है।

प्रदेश में जमीन की खरीद-फरोख्त, मूल निवास और भू-कानून का सवाल भी राजनीतिक बहस को लगातार गर्म कर रहा है। पहाड़ की जमीन और संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकार का मुद्दा केवल क्षेत्रीय अस्मिता से नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के अस्तित्व से जुड़ा है। सरकार भू-कानून को लेकर उठाए गए कदमों को अपनी उपलब्धि बता रही है, लेकिन विपक्ष और विभिन्न सामाजिक संगठन इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल उठा रहे हैं। जमीन बचाने की राजनीति अब केवल पहाड़ तक सीमित नहीं रही, बल्कि मैदानी क्षेत्रों में भी इसका राजनीतिक प्रभाव दिखाई दे रहा है।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

अल्मोड़ा पुलिस की तत्परता से मिले खोए बैग और कीमती मोबाइल

अल्मोड़ा(आरएनएस)। अल्मोड़ा पुलिस की तत्परता और एक पुलिस जवान की ईमानदारी से दो लोगों को उनका खोया हुआ कीमती सामान वापस मिल गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से मारुति वैन में छूटा बैग बरामद कर उसकी स्वामिनी को सौंपा, जबकि एक पुलिस जवान ने प्रधान डाकघर के पास मिला कीमती मोबाइल फोन उसके मालिक तक पहुंचाया।

बीती 13 नवंबर को गीता सिराड़ी, निवासी अल्मोड़ा ने पुलिस चौकी धारानौला में सूचना दी कि उनका एक बैग मारुति वैन में छूट गया है। बैग में महत्वपूर्ण और आवश्यक सामान रखा हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

फुटेज के आधार पर वाहन संख्या यूके०1 टीए 5138 मारुति वैन की पहचान की गई। पुलिस ने वाहन स्वामी को चौकी बुलाकर आवश्यक पूछताछ और कार्रवाई की, जिसके बाद गुम हुआ बैग बरामद कर सकुशल गीता सिराड़ी के सुपुर्द कर दिया गया। इसी तरह 17 नवंबर को अल्मोड़ा पुलिस के जवान बलवंत को प्रधान डाकघर के पास एक कीमती मोबाइल फोन मिला। जवान ने ईमानदारी का परिचय देते हुए मोबाइल के स्वामी की तलाश शुरू की और आवश्यक जानकारी जुटाकर उनका पता लगाया। इसके बाद मोबाइल स्वामी को मौके पर बुलाकर उनका खोया हुआ मोबाइल फोन सकुशल सौंप दिया गया। खोया हुआ कीमती सामान और मोबाइल वापस मिलने पर दोनों लोगों के चेहरे पर खुशी लौट आई। उन्होंने अल्मोड़ा पुलिस की तत्परता और पुलिस जवान की ईमानदारी की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

भोजन माताओं की हड़ताल से स्कूलों में लड़खड़ाई मध्याह्न भोजन व्यवस्था

नैनीताल(आरएनएस)। विभिन्न मांगों को लेकर भोजन माताओं की हड़ताल का असर अब स्कूलों की व्यवस्थाओं पर भी दिखने लगा है। हड़ताल के चलते कई विद्यालयों में मध्याह्न भोजन तैयार करने और बच्चों को परोसने की समस्या खड़ी हो गई। हालांकि, बच्चों को भोजन से वंचित न होना पड़े, इसके लिए विद्यालयों के कर्मचारियों ने खुद जिम्मेदारी संभाली।

कर्मचारियों ने भोजन तैयार करने से लेकर बच्चों को परोसने तक का काम किया और मध्याह्न भोजन की व्यवस्था बनाए रखी। भोजन माताओं के कार्य बहिष्कार के चलते नैनीताल के कई विद्यालयों में मध्याह्न भोजन व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। ऐसे में विद्यालय प्रबंधन और कर्मचारियों ने वैकल्पिक इंतजाम करते हुए भोजन तैयार कराया।

भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय के प्रधानाचार्य बिशन सिंह मेहता ने बताया कि उनके विद्यालय में 558 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। सभी को प्रतिदिन मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जाता है। मंगलवार को भोजन माताओं की हड़ताल के बावजूद विद्यालय के कर्मचारियों ने खुद भोजन तैयार कर बच्चों को खिलाया। वहीं, सीआरएसटी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मनोज पांडे ने बताया कि उनके विद्यालय में 38 बच्चों को मध्याह्न भोजन दिया जाता है। हड़ताल के चलते मंगलवार को विद्यालय के कर्मचारियों ने भोजन बनाने से लेकर बच्चों को परोसने तक की जिम्मेदारी निभाई। प्रधानाचार्यों के अनुसार बच्चों की पढ़ाई और भोजन व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए विद्यालय स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था की गई।

जौलजीबी मेले में हंगामे की निष्पक्ष जांच की जाए

नैनीताल(आरएनएस)। जौलजीबी मेले में हुए कथित हंगामे और मंच पर तोड़फोड़ के मामले में भाजयुमो नैनीताल ने पुलिस से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

भाजयुमो पदाधिकारियों ने मल्लीताल कोतवाली में पत्र सौंपकर घटना से जुड़े सभी वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच कराने की मांग उठाई। भाजयुमो पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि धारचूला विधायक हरीश धामी और उनके समर्थकों ने मेले के दौरान अभद्र व्यवहार किया और मंच पर हंगामा करते हुए तोड़फोड़ की। उन्होंने कहा कि जौलजीबी मेला उत्तराखंड की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। ऐसे गरिमामयी सार्वजनिक आयोजन में जनप्रतिनिधि का कथित अमर्यादित व्यवहार और सरकारी कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को प्रभावित करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपनी बात रखने और जनसमस्याएं उठाने का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना या सरकारी कार्य में बाधा डालना उचित नहीं है। उन्होंने मामले में दर्ज प्राथमिकी के तहत दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान भाजयुमो के विशेष आमंत्रित सदस्य पंकज भट्ट, मंडल अध्यक्ष रितुल, एससी मोर्चा अध्यक्ष हेमंत बेदी, मंडल उपाध्यक्ष करन साह, मनकरन सिंह, सागर आर्य और आशु उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

हरिद्वार में 52 केंद्रों पर होगी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा

हरिद्वार(आरएनएस)। उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारम्भिक परीक्षा-2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकल विहीन संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा के सफल संचालन, सुरक्षा व्यवस्था, गोपनीय परीक्षा सामग्री के सुरक्षित परिवहन तथा परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता ने बताया कि उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रारम्भिक परीक्षा आगामी 29 नवंबर 2026 (रविवार) को जनपद हरिद्वार के कुल 52 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इनमें रुड़की क्षेत्र में 16 तथा हरिद्वार क्षेत्र में 36 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में कुल 20,958 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे, जिनमें रुड़की क्षेत्र के 6,494 तथा हरिद्वार क्षेत्र के 13,464 परीक्षार्थी शामिल हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 2:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक होगी। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों के प्रधानाचार्यों एवं केंद्र प्रभारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए बैठक करें तथा परीक्षा से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर लें। परीक्षा केंद्रों पर आयोग द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा केंद्रों के भीतर मोबाइल फोन एवं किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों पर बिजली, पेयजल, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में परीक्षा की गोपनीय सामग्री की सुरक्षा, सुरक्षित परिवहन तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कोषागार से प्रश्नपत्र ले जाने के संबंध में भी अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गोपनीय सामग्री के रखरखाव एवं परिवहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा आयोग द्वारा निर्धारित समय-सारिणी एवं प्रक्रिया का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त परीक्षा केंद्रों पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, परीक्षा के दौरान सतर्कता बरतने तथा सेक्टर मजिस्ट्रेटों एवं संबंधित अधिकारियों के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए, ताकि परीक्षा निर्विघ्न, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

बैठक में उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के अवर सचिव आशीष जायसवाल ने बताया कि आयोग की ओर से परीक्षा के आयोजन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारम्भ होने से डेढ़ घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश के दौरान सभी परीक्षार्थियों की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सघन जांच सुनिश्चित की जाए,ताकि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने अवगत कराया कि रुड़की में आयोजित होने वाली परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं डाकघर में जमा कराई जाएंगी, जबकि हरिद्वार में आयोजित परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं परीक्षा संपन्न होने के उपरांत संबंधित सेक्टर मजिस्ट्रेटों द्वारा उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के कार्यालय में जमा कराई जाएंगी। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में एसपी क्राइम निशा यादव, जिला विकास अधिकारी केके पंत,आर ओ लोक सेवा आयोग सुशील डंगवाल जिला प्रोबेशन अधिकारी अविनाश भदौरिया, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र उत्तम कुमार तिवारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत महेश विश्नोई, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुबोध शर्मा सहित संबंधित सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इंदिरा अम्मा कैंटीन में रखे विशेष सफाई व्यवस्था

बागेश्वर(आरएनएस)। मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार ने सरस मार्केट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मार्केट में उपलब्ध सामानों की गुणवत्ता, रखरखाव और बिक्री व्यवस्था की जानकारी ली। स्थानीय उत्पाद को बढ़ाने पर बल दिया।

उन्होंने अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों को सरस मार्केट में स्थानीय उत्पादों की अधिक से अधिक बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीडीओ ने कहा कि स्थानीय उत्पादों की बिक्री से महिला सहायत समूह मजबूत होंगे। स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इसके बाद उन्होंने इंदिरा अम्मा भोजनालय का भी निरीक्षण किया।

स्थापना दिवस पर 30 से अधिक स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

नैनीताल(आरएनएस)। शहर के स्थापना दिवस पर क्लीन नैनीताल टीम की ओर से मेगा स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इस दौरान झील किनारे और केनेडी रोड पर सफाई कर कचरा एकत्र किया गया। झील में पानी पहुंचाने वाले बरसाती नालों में बड़ी मात्रा में घरेलू कचरा और प्लास्टिक की बोतलें मिलने पर स्वयंसेवकों ने चिंता जताई। क्लीन नैनीताल के संस्थापक आशु निगम ने कहा कि बरसाती नालों में जमा कचरा झील और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है।

शहर को स्वच्छ रखने के लिए ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे। अभियान में मां नैना देवी व्यापार मंडल के अध्यक्ष पुनीत टंडन भी अपनी टीम के साथ शामिल हुए। उन्होंने युवाओं की पहल की सराहना करते हुए शहरवासियों से स्वच्छता अभियान में भागीदारी की अपील की। इस दौरान शिप्रा कल्याण समिति के जगदीश नेगी ने प्लास्टिक रीसाइक्लिंग और इको ब्रिक बनाने की तकनीक की जानकारी दी। अभियान में बच्चों और बुजुर्गों समेत 30 से अधिक स्वयंसेवकों ने श्रमदान किया। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल ने भी टीम के प्रयासों की सराहना की। समापन पर केक काटकर क्लीन एंड ग्रीन नैनीताल का संकल्प लिया गया। अभियान में शिखा रावत, निहारिका चौबे, यश गर्ग, मोहित पांडे और प्रशांत तिवारी शामिल रहे।

बानठोक स्कूल में नवनिर्मित पुस्तकालय और कंप्यूटर कक्ष का लोकार्पण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जागेश्वर विधायक मोहन सिंह महरा ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बानठोक में 47.35 लाख रुपये की लागत से निर्मित पुस्तकालय कक्ष और कंप्यूटर कक्ष का लोकार्पण किया। उन्होंने फीता काटकर दोनों कक्षों का उद्घाटन किया और विद्यालय परिसर का निरीक्षण भी किया।

समारोह में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक मोहन सिंह महरा ने कहा कि पुस्तकालय और कंप्यूटर कक्ष का निर्माण होने से विद्यार्थियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं।

पुस्तकालय में विद्यार्थी पाठ्यपुस्तकों के साथ सामान्य ज्ञान, साहित्य, विज्ञान और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें पढ़ सकेंगे। इससे उनमें पढ़ने की आदत के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। विधायक ने कहा कि वर्तमान समय डिजिटल युग का है और कंप्यूटर शिक्षा के बिना बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। कंप्यूटर कक्ष के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी डिजिटल शिक्षा, इंटरनेट, ई-लर्निंग और नई तकनीकों से जुड़ सकेंगे। इससे उन्हें शहरों के विद्यार्थियों के साथ आगे बढ़ने के समान अवसर मिलेंगे। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से विद्यालय में पुस्तकालय और कंप्यूटर कक्ष की मांग की जा रही थी। दोनों कक्षों के निर्माण से विद्यार्थियों को अध्ययन और डिजिटल शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैड़ा, तिलोक सिंह बुटोला, विनोद तिवारी, रमेश बहुगुणा, प्रकाश भट्ट, हरीश प्रसाद, नरेंद्र सिंह बिष्ट, विक्रम सिंह बगड़वाल, गोधन सिंह भैसौड़ा, मोहन सिंह सिंगवाल, चित्रलेखा सिंगवाल, गोपाल सिंह गैड़ा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

समर वैली स्कूल प्रकरण: शारीरिक शोषण की शिकार छात्रा की माँ ने कोर्ट से लगाई न्याय की गुहार

संवाददाता

देहरादून। समर वैली स्कूल प्रकरण में शारीरिक शोषण की शिकार छात्रा की मां ने कोर्ट से न्याय की गुहार लगायी।

मिली जानकारी के अनुसार समर वैली स्कूल मे फिजिक्स के शिक्षक द्वारा कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा शारीरिक शोषण का शिकार छात्रा की माता ने समर वैली स्कूल से अपने बच्चों की टीसी और अन्य स्कूल मे एडमिशन के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटायाक है। ज्ञात हो कि डालनवाला स्थित विगत दिनो समर वैली स्कूल मे फिजिक्स के शिक्षक द्वारा ग्यारवीं की छात्रा के साथ शारीरिक शोषण का मामला प्रकाश मे आया था जिसमे स्कूल द्वारा शिक्षक का बचाव किया गया एफआईआर दर्ज होने के बाद स्कूल प्रसाशन ने शिक्षक को स्कूल से निकाल कर अपना पल्ला झाड़ लिया था जबकि स्कूल शिक्षक के साथ स्कूल की प्रिंसिपल और प्रबंधक पर भी आरोप लगाए गए हैं किन्तु आज तक एक तरफ आरोपी शिक्षक खुले आम घूम रहा है वहीं बच्चों के स्कूल ना जाने से उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही है।

नेशनल एसोसिएशन फॉर पेरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स (एनएपीएसआर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरिफ खान में बताया कि एनएपीएसआर द्वारा इस प्रकरण मे उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग, महिला आयोग एवं शिक्षा विभाग को पत्र लिखा गया था जिसका संज्ञान लेते हुए बारह नवम्बर को बाल आयोग द्वारा पीड़ित छात्रा सहित शिक्षा विभाग व पुलिस विभाग को तलब किया गया था तथा उस वक्त पदासीन अध्यक्षा द्वारा स्कूल को सोलह अक्टूबर की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध करवाने पीड़ित छात्रा और उसके भाई को तुरंत टीसी देने का आदेश देते हुए शिक्षा विभाग से आये अधिकारियों को दो दिन के अंदर बच्चों के एडमिशन किसी अन्य आईसीएससी बोर्ड द्वारा संचालित स्कूल मे करने के आदेश दिए गए थे। किन्तु आज एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी ना तो स्कूल द्वारा सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध करवाई गई है और ना ही बच्चों को टीसी दी गयी है, शिक्षा विभाग भी बच्चों के भविष्य को लेकर संजीदा नजर नही आ रहा है। बारह नवम्बर को शिक्षा विभाग की ओर से बाल आयोग मे हाजिर होने वाले आराघर प्राथमिक विद्यालय के प्रधानचार्य सतीश नौटियाल एवं सौडा सरोली के प्रधानाचार्य विमल बाबू को बोर्ड परीक्षा फार्म भरने की तिथि को देखते हुए दो दिन के अंदर बच्चों का एडमिशन कराने की बात कही गयी थी और पीड़ित बच्ची की माता को कोई दो स्कूल बताने के लिए कहा गया था जिसमे वो अपने बच्चों का एडमिशन करवाना चाहती हो।

इस पर शिक्षा विभाग को दो नाम सुझाये गए थे किन्तु एक सप्ताह के बाद भी शिक्षा विभाग की ओर से जब कोई सन्देश नही आया और एनएपीएसआर के अध्यक्ष आरिफ खान द्वारा शिक्षा विभाग की ओर से जांच मे शामिल सतीश नौटियाल से जानकारी हासिल करी तो उन्होने बच्चों को माँ की ओर बताए गए दोनो स्कूल मे एडमिशन होने से इनकार कर दिया और बीईओ हेमलता गौर से सम्पर्क करने की सलाह देते हुए फोन काट दिया गया। अब शारिरिक शोषण की शिकार छात्रा की माता ने अपने बच्चों के भविष्य को देखते हुए कोर्ट का रुख अपनाया है। उनका कहना है कि चूंकि उस घटना के बाद से बच्चे घर पर बैठे हैं और अपने बच्चों के भविष्य के वो अब किसी भी विभाग पर आँख बंद करके भरोसा नही कर सकती हैं। अत: उन्होने इसके लिए न्यायालय मे अर्जी दी है जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है और इसमे कोर्ट द्वारा आगामी 28 नवम्बर की तारीख लगाई गई है जिसमे अब इस केस पर सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के हवाले से ये भी सामने आया है कि कोर्ट इस केस मे हर सप्ताह हस्तक्षेप कर सकती है।

बूढ़ी दीवाली पर 2100 दीपों से जगमगाएगा रामेश्वर मंदिर

पिथौरागढ़(आरएनएस)। लोक पर्व बूढ़ी दीवाली (इगास) पर सीमांत के प्रसिद्ध रामेश्वर धाम में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजेंद्र भट्ट ने बताया कि बीते वर्षो की तरह इस बार भी बूढ़ी दीवाली पर मंदिर परिसर को 2100 दीपों की रोशनी से रोशन किया जाएगा। 20 नवंबर को आयोजित होने वाले इस धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भट्ट ने बताया कि प्रदेश के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में शुमार रामेश्वर धाम का पौराणिक महत्व स्कंद पुराण में भी वर्णित है। यहां उत्तरायणी पर्व पर विशाल मेला लगता है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञोपवीत (जनेऊ) संस्कार व पवित्र स्नान के लिए लोग पहुंचते हैं। कहा कि स्थानीय लोग लंबे समय से इस त्रिवेणी स्वरूप संगम को मानसखंड मंदिर माला परियोजना में शामिल करने की मांग भी उठा रहे हैं।

ठंडी सड़क के पास नैनीताल झील में मिला अधेड़ का शव

नैनीताल(आरएनएस)। शहर के ठंडी सड़क क्षेत्र में पाषाण देवी मंदिर के समीप नैनीताल झील में एक अधेड़ का शव उतराता मिला। पुलिस ने नाव चालक की मदद से शव को झील से बाहर निकाला और बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाते हुए शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह डीसीबी कॉलेज प्रबंधन ने तल्लीताल पुलिस को सूचना दी कि परीक्षा में देरी से पहुंची एक छात्रा झील में कूदने की धमकी देकर चली गई है। सूचना पर पुलिस टीम ठंडी सड़क क्षेत्र में छात्रा की तलाश कर रही थी। इसी दौरान पाषाण देवी मंदिर के समीप पुलिस को झील में एक शव उतराता दिखाई दिया। पुलिस ने तत्काल नाव चालक की मदद से शव को बाहर निकलवाया। एसएसआई विमल मिश्रा ने बताया कि शव के पास से पहचान संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिला है।

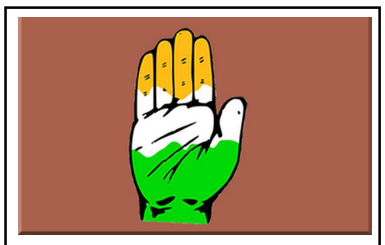
कांग्रेस में टिकट की जंग, चुनाव से पहले अपनों ने खोला मोर्चा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस के सामने भाजपा से मुकाबले की चुनौती तो है ही, पार्टी के भीतर टिकट का सवाल भी बड़ा सियासी संकट बनता जा रहा है। सत्ता में वापसी का दावा कर रही कांग्रेस के लिए अभी से अपने ही नेताओं और दावेदारों को संभालना आसान नहीं दिख रहा। विधानसभा क्षेत्रों में टिकट की दावेदारी को लेकर समर्थकों की गोलबंदी शुरू हो चुकी है। कहीं पुराने नेताओं की दावेदारी है तो कहीं नए चेहरों ने अपनी जमीन तैयार करनी शुरू कर दी है। पार्टी के भीतर गुटीय समीकरण भी इस लड़ाई को हवा दे रहे हैं।

कांग्रेस की मुश्किल यह है कि उसे भाजपा के खिलाफ एकजुटता का संदेश भी देना है और अपने नेताओं की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को भी साधना है। प्रदेश में पार्टी के पास अनुभवी नेताओं की कमी नहीं है, लेकिन यही अनुभव कई बार आपसी प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की लड़ाई में बदल जाता है। टिकट वितरण से पहले ही जिस तरह अलग-अलग खेमों में राजनीतिक सक्रियता बढ़ रही है, उसने पार्टी नेतृत्व के सामने भविष्य की मुश्किलों के संकेत दे दिए हैं। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि वह टिकट वितरण का ऐसा फार्मूला कैसे तैयार करेगी, जिससे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की प्रतिष्ठा भी बनी रहे और नए चेहरों को भी अवसर मिल सके। हर विधानसभा क्षेत्र में कई दावेदार सक्रिय हैं। कोई पिछले चुनाव का हवाला देकर टिकट पर अपना अधिकार जता रहा है तो कोई क्षेत्र में लगातार सक्रियता और जनाधार को अपनी ताकत बता रहा है। कुछ नेता संगठन में अपनी पकड़ के आधार पर दावेदारी मजबूत कर रहे हैं।

समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब टिकट की दावेदारी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से निकलकर गुटीय प्रतिष्ठा का सवाल बन जाती है। ऐसे में किसी एक नेता को टिकट देना दूसरे खेमे के लिए चुनौती बन सकता है। कांग्रेस का पिछला राजनीतिक अनुभव बताता है कि चुनाव के समय टिकट से नाराज नेता कभी निर्दलीय मैदान में उतर जाते हैं तो कभी भीतरघात के जरिए पार्टी के समीकरण बिगाड़ देते हैं। प्रदेश कांग्रेस में गणेश गोदियाल, हरीश रावत, प्रीतम सिंह और अन्य वरिष्ठ नेताओं की अपनी राजनीतिक जमीन और समर्थक वर्ग है। पार्टी नेतृत्व के सामने इन नेताओं के बीच समन्वय बनाए रखने की चुनौती है। एक ओर संगठन



◆सत्ता में वापसी का सपना, लेकिन टिकट की दावेदारी ने बढ़ाया सिरदर्द
◆गुटबाजी और समर्थकों की गोलबंदी से उलझा कांग्रेस का सियासी गणित

को चुनावी नेतृत्व का स्पष्ट संदेश देना है, दूसरी ओर किसी नेता को इतना असहज भी नहीं करना कि वह अपने समर्थकों के साथ अलग राजनीतिक रास्ता तलाशने लगे। हरीश रावत पहले ही मुख्यमंत्री पद की दौड़ से खुद को बाहर बताते हुए 2027 में कांग्रेस की सरकार बनाना अपना प्राथमिक लक्ष्य बता चुके हैं। यह बयान पार्टी के लिए एकजुटता का संदेश जरूर है, लेकिन इससे नेतृत्व और टिकट के सवाल खत्म नहीं हो जाते। चुनाव में किसकी चलेगी, किसके समर्थकों को कितने टिकट मिलेंगे और उम्मीदवारों के चयन में संगठन की भूमिका कितनी प्रभावी होगी, यह सवाल अभी से पार्टी के भीतर राजनीतिक चर्चाओं का हिस्सा हैं।

भाजपा ने चुनावी समितियों, संकल्प पत्र और संगठनात्मक विस्तार के जरिए अपनी तैयारियों को गति देने की रणनीति बनाई है। ऐसे में कांग्रेस के सामने दोहरी चुनौती है। उसे सरकार के खिलाफ जनमुद्दों पर आक्रामक अभियान चलाना है और साथ ही अपने संगठन को भी चुनाव के लिए तैयार करना है। लेकिन यदि पार्टी का बड़ा राजनीतिक समय टिकट की दावेदारी और गुटीय खींचतान में ही खर्च होता रहा तो भाजपा को इसका सीधा फायदा मिल सकता है। कांग्रेस बेरोजगारी, पलायन, अंकिता भंडारी प्रकरण, भ्रष्टाचार और सरकार की नीतियों को लेकर भाजपा पर हमलावर है। इन मुद्दों पर पार्टी को जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता मजबूत करनी होगी। लेकिन जनता के सामने सरकार की नाकामियां गिनाने वाली पार्टी यदि अपने भीतर ही राजनीतिक असंतोष को नियंत्रित नहीं कर पाती तो उसके चुनावी दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

कांग्रेस के लिए टिकट वितरण महज उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया नहीं होगा, बल्कि यह उसके संगठनात्मक अनुशासन और नेतृत्व की क्षमता की भी परीक्षा बनेगा। पार्टी को तय करना होगा कि उम्मीदवारों का चयन जीतने की संभावना, सामाजिक समीकरण, क्षेत्र में सक्रियता और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता के आधार पर होगा या फिर नेताओं के प्रभाव और सिफारिशों का दबाव हावी रहेगा। सबसे बड़ा खतरा बगावत और भीतरघात का है। टिकट नहीं मिलने पर नाराज नेता भले ही सार्वजनिक रूप से पार्टी के साथ खड़े होने का दावा करें, लेकिन चुनावी मैदान में उनकी निष्क्रियता या पर्दे के पीछे की गतिविधियां उम्मीदवारों की मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। यही वजह है कि कांग्रेस नेतृत्व के लिए टिकट का सवाल जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण टिकट के बाद पार्टी को एकजुट रखना होगा।

दरअसल, कांग्रेस उत्तराखंड में भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल को अपने पक्ष में भुनाने का अवसर तलाश रही है, लेकिन उसे यह भी समझना होगा कि केवल भाजपा की कमजोरियों से चुनाव नहीं जीता जा सकता। इसके लिए अपने भीतर की कमजोरियों पर भी प्रहार करना होगा। सवाल यह नहीं कि कांग्रेस के पास कितने मजबूत दावेदार हैं, सवाल यह है कि टिकट की दौड़ में हारने वाले नेता चुनाव में पार्टी को जिताने के लिए कितनी ईमानदारी से मैदान में उतरेंगे। भाजपा से मुकाबला बाद में होगा, कांग्रेस को पहले अपने भीतर चल रही सियासी लड़ाई जीतनी होगी।

शब्द सामर्थ्य - 72

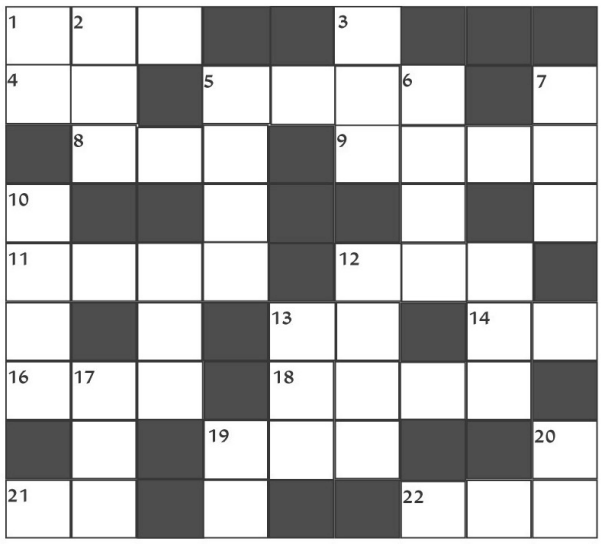
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 71 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

नागार्जुन के साथ दो दशक बाद दिखेगी तब्बू

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार नागार्जुन की आगामी फिल्म किंग 100' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ती जा रही है। फिल्म में अभिनेत्री तब्बू की पहली झलक सामने आ गई है। राम कार्तिक के निर्देशन में बनी यह फिल्म 24 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म के जरिए नागार्जुन और तब्बू दो दशक से अधिक समय बाद एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आएंगे। तब्बू के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म निर्माताओं ने उनकी विशेष झलक जारी करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। जारी किए गए इस दृश्य में तब्बू महानथी झांसी रानी' नाम के एक सशक्त और प्रभावशाली किरदार में दिखाई दे रही हैं। उनका यह चरित्र आत्मविश्वास, दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत इरादों वाली महिला का है, जो अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए किसी भी चुनौती का सामना करने से पीछे नहीं हटती। पारंपरिक साड़ी में तब्बू का अंदाज बेहद आकर्षक और गरिमामय नजर आ रहा है। उनकी प्रभावशाली उपस्थिति और किरदार की गंभीरता ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। निर्माताओं की ओर से जारी इस झलक से साफ है कि फिल्म में तब्बू की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होने वाली है। नागार्जुन और तब्बू की लोकप्रिय जोड़ी को लंबे समय बाद एक साथ देखने का अवसर मिलने से प्रशंसकों में खास उत्साह है। अब दर्शकों को 24 दिसंबर का इंतजार है, जब किंग 100' सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

शरवानंद की फिल्म जॉर्ज कृष्ण' में मानसा वाराणसी की एंट्री, 2027 में होगी प्रदर्शित

अभिनेत्री मानसा वाराणसी दक्षिण भारतीय अभिनेता शरवानंद की आगामी फिल्म जॉर्ज कृष्ण' से जुड़ गई हैं। फिल्म के निर्माताओं ने इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि मानसा इसमें मुख्य अभिनेत्री की भूमिका निभाएंगी। श्रीनू वैतला के निर्देशन में बन रही यह फिल्म तेजी से निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही है। निर्माताओं ने एक दिन पहले फिल्म से जुड़ी नई जानकारी देने का संकेत दिया था। इसके बाद जारी ताजा घोषणा में मानसा वाराणसी के फिल्म का हिस्सा बनने की पुष्टि की गई। निर्माताओं ने सामाजिक माध्यमों पर साझा संदेश में कहा कि मानसा और शरवानंद की जोड़ी बड़े पर्दे पर दर्शकों के लिए नई और दिलचस्प होगी। फिल्म को संक्रांति के अवसर पर प्रदर्शित करने की तैयारी है। फिल्म में मानसा वाराणसी पारंपरिक और आकर्षक रूप में नजर आएंगी। उनकी भूमिका को लेकर फिलहाल अधिक जानकारी साझा नहीं की गई है। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी अनूप रूबेन्स ने संभाली है, जबकि छायांकन केवी गुहान और संपादन अमर रेड्डी कुडुमुला कर रहे हैं। एटीवी की प्रस्तुति में बन रही इस फिल्म का निर्माण एके एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले रामाब्रह्मम सुनकारा कर रहे हैं। अजय सुनकारा सह-निर्माता के रूप में परियोजना से जुड़े हैं। जॉर्ज कृष्ण' 14 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

गनमास्टर जी9 का मोशन-पोस्टर जारी, गुस्सैल अंदाज में दिखे इमरान हाशमी!

अभिनेता इमरान हाशमी की आगामी एक्शन और रोमांच से भरपूर फिल्म गनमास्टर जी9 इन दिनों चर्चा में है। फिल्म के प्रदर्शन से पहले निर्माताओं ने इसका नया चल-चित्र पोस्टर जारी किया है, जिसमें इमरान हाशमी का दमदार और गुस्सैल अंदाज देखने को मिल रहा है। पोस्टर में उनके किरदार की झलक के साथ जबरदस्त मारधाड़ और रोमांचक दृश्यों की भी झलक दिखाई गई है। सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है। फिल्म में इमरान हाशमी के साथ अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, अपारशक्ति खुराना भी एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। जारी किए गए चल-चित्र पोस्टर में इमरान हाशमी का आक्रामक रूप देखने को मिलता है। इसके साथ ही पृष्ठभूमि में बजता तेज संगीत फिल्म के एक्शन और रोमांच को लेकर उत्सुकता बढ़ाता है। पोस्टर में इमरान का एक संवाद भी सुनाई देता है, जिसमें वह कहते हैं, मेरे इश्क की दुनिया में आओगे तो इस दुनिया से जाओगे। इस संवाद से उनके किरदार के प्रेम और खतरनाक अंदाज का संकेत मिलता है। फिल्म के कई गाने पहले ही जारी किए जा चुके हैं। अब नए पोस्टर के सामने आने के बाद दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। यह फिल्म 27 नवंबर को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कोई नहीं था, अकेले लड़ना पड़ा: शोभिता धुलिपाला



अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला ने 2016 में अनुराग कश्यप की फिल्म रमन राघव 2.0 से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो शेफ, कालाकांडी, जैसी कई फिल्मों में काम किया। वहीं अब शोभिता ने एक बाहरी व्यक्ति के तौर पर अपने संघर्षों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में बिना किसी मार्गदर्शन के आगे बढ़ना कितना कठिन था।

शोभिता ने कहा, जब मैं कॉलेज में थी, तब मैं जीक्यू और वोग जैसी पत्रिकाओं के कवर देखती थी। तब मुझे लगता था कि मेरे जैसी लड़की के लिए ऐसी दुनिया का हिस्सा बनना मुमकिन नहीं है। मेरी मदद करने वाला कोई नहीं था। एक आउटसाइडर के तौर पर, आप बस चीजें समझने की कोशिश कर रहे होते हैं, आपके पास कोई जानकारी या मार्गदर्शन नहीं होता। यह बहुत डरावना लगता है।

कई ऑडिशन देने के बाद, उन्हें फिल्म रमन राघव 2.0 में अपना पहला रोल मिला, जो उन्हें 2016 में कान फिल्म फेस्टिवल तक ले गया।

अपने सफर के बारे में बात करते हुए, शोभिता ने आगे कहा, मैंने बहुत सारे ऑडिशन दिए और फिर मुझे अपनी पहली फिल्म मिली। मैं कान्स गई, जहां मुझे कई बहुत ही होनहार लोगों से मिलने का मौका मिला। आप लगातार सीखते रहते हैं और फिर अचानक कोई बड़ा मौका मिल जाता है।

शोभिता कहती हैं, जब ऐसा होता है, तो आपको एहसास होता है कि कोई कुछ भी कर सकता है। आपको समझ आता है कि आपको किसी और की मंजूरी की जरूरत नहीं है और यह एहसास आपको आजाद कर देता है। जब आप इस बात की परवाह करना छोड़ देते हैं कि कोई आपसे कहे कि आप काफी अच्छे हैं, तो आपको बहुत खुशी मिलती है। लेकिन इसके लिए हिम्मत, कड़ी मेहनत और समय की जरूरत होती है।

शोभिता ने अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम किया, जिनमें मलयालम फिल्में मूथोन और कुरुप, तेलुगु फिल्म मेजर और मणिरत्नम की तमिल पीरियड ड्रामा फिल्में पोन्नियिन सेलवन्: 1 और पोन्नियिन सेलवन्: 2 शामिल हैं।

वह बार्ड ऑफ ब्लड और द नाइट मैनेजर जैसी सीरीज में भी नजर आईं। 2024 में, उन्होंने देव पटेल की एक्शन थ्रिलर मंकी मैन के साथ हॉलीवुड में कदम रखा, जिसके बाद वह हिंदी फिल्म लव सितारा में दिखाई दीं।

रजनीकांत की फिल्म धर्मन' में शामिल हुई श्रीलीला



दक्षिण भारतीय फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री श्रीलीला सुपरस्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म धर्मन' में शामिल हो गई हैं। अश्वथ मारिमुथु के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में पहली बार श्रीलीला और रजनीकांत की जोड़ी पर्दे पर नजर आएगी। फिल्म निर्माताओं ने कमल हासन के निर्माण संस्थान राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल' के माध्यम से एक विशेष घोषणा वीडियो जारी कर श्रीलीला का फिल्म में स्वागत किया है।

शिवकार्तिकेयन के साथ फिल्म पराशक्ति' के जरिए तमिल सिनेमा में कदम रखने के बाद श्रीलीला के पास कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। वह धनुष और ममूटी की फिल्म ओम' के अलावा अजित कुमार की फिल्म डेयरडेविल' से भी जुड़ी हुई हैं। अब धर्मन' में उनकी एंट्री ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। फिल्म में पहले से ही दक्षिण भारतीय सिनेमा के कई चर्चित कलाकार शामिल हैं।

खबरों के मुताबिक, इस एक्शन प्रधान मनोरंजक फिल्म में रजनीकांत एक डॉक्टर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि, उनका यह किरदार पारंपरिक नायक की छवि से अलग होगा और उसके व्यक्तित्व में नकारात्मक पहलू भी देखने को मिलेंगे। फिल्म में सिमरन, नयनतारा, राशि खन्ना और योगी बाबू भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। इससे पहले निर्माताओं की ओर से जारी पोस्टरों में रजनीकांत के हाथों पर खून लगा हुआ दिखाया गया था, जिसने उनके किरदार को लेकर रहस्य और रोमांच बढ़ा दिया है। निर्माताओं ने उनके किरदार को केट्टा पैयन' यानी बुरा लड़का बताया है। यह नाम रजनीकांत की चर्चित फिल्म मुल्लुम मलारुम' में उनके लोकप्रिय किरदार की याद दिलाता है।

फिल्म की कहानी और कलाकारों को लेकर सामने आ रही जानकारियों ने इसे लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि रजनीकांत इस फिल्म में डॉक्टर के एक अलग और चुनौतीपूर्ण अवतार से दर्शकों को कितना प्रभावित कर पाते हैं।



मसूरी में एसडीआरएफ की एक और नई पोस्ट का शुभारंभ

◆सेनानायक अर्पण यदुवंशी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हमारे संवाददाता

देहरादून/मसूरी। एसडीआरएफ की आपदा प्रबंधन एवं त्वरित रेस्क्यू क्षमता को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज मसूरी में एसडीआरएफकी एक नई पोस्ट का उद्घाटन सेनानायक अर्पण यदुवंशी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सेनानायक ने पोस्ट पर तैनात जवानों के लिए उपलब्ध आवासीय, मूलभूत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने जवानों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही सेनानायक ने आपातकालीन परिस्थितियों में एसडीआरएफ की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को परखने के उद्देश्य से रेस्क्यू अभियानों के दौरान टीम के रिस्पॉन्स टाइम का भी जायजा लिया। उन्होंने जवानों को निर्देशित किया कि किसी भी आपदा अथवा आपातकालीन सूचना पर न्यूनतम समय में घटनास्थल पर पहुंचकर प्रभावी एवं समन्वित ढंग से राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किया जाए।

सेनानायक ने कहा कि प्रदेश के संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थलों पर एसडीआरएफ की तैनाती का उद्देश्य आपदा के समय त्वरित सहायता उपलब्ध कराना तथा जनसुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाना है। मसूरी में नई पोस्ट की स्थापना से क्षेत्र में आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान एसडीआरएफ की पहुंच एवं प्रतिक्रिया क्षमता में और सुधार होगा। इस अवसर पर सहायक सेनानायक संजय उप्रेती, शिविरपाल आनंद सिंह रावत, उपनिरीक्षक गब्बर सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सू- दोकू क्र. 72

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.71 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

पूर्व पीएम इन्दिर गांधी की जयंती पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेस मुख्यालय पर कांग्रेसजनों ने उनको श्रद्धांजलि दी।

आज यहां उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल के आह्वान पर भारत रत्न, पूर्व प्रधामंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर सभी प्रदेशभर के सभी जनपदों में श्रद्धांजलि सभाओं के साथ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कार्यक्रम के तहत आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय देहरादून में कांग्रेसजनों द्वारा स्व. इन्दिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये गये।

इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राष्ट्र एवं विश्व की महान जननायिका तथा देश की एकता के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाली त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति, मात्र शक्ति की प्रतीक स्व. श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी प्रतिभा कौशल एवं विद्यता से देश को प्रगति के पथ पर लाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी तथा गरीबी निवारण के साथ-साथ बैंकों का राष्ट्रीयकरण, बीस सूत्रीय कार्यक्रम जैसे विकासोन्मुखी कार्यक्रम शुरू करने के साथ ही सामाजिक समरसता एवं सद्भाव को मजबूत बनाने की दिशा में अनेकों उल्लेखनीय कार्य किये थे। स्व. इन्दिरा जी ने विश्व ख्याति प्राप्त करते हुए समूचे विश्व का ध्यान



भारत की ओर आकर्षित किया और देश के दुश्मनों का सिर झुका कर भारत की सम्प्रभुता मानने को मजबूर किया तथा बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तानी फौज पर ऐतिहासिक विजय हांसिल कर अलग बांग्लादेश के निर्माण में अहम भूमिका निभाई।

कांग्रेस वक्ताओं ने कहा कि जिस महिला ने इस विश्व का नक्शा बदल दिया उस महिला को ये देश सदैव अपने दिल में रखेगा, उनके पक्के इरादे और जनता की सेवा के लिए जिंदगी भर के समर्पण ने भारत की तरक्की के सफर पर एक अमिट छाप छोड़ी है। देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए उनका आखिरी बलिदान लाखों सलाम का हकदार है। इंदिरा गांधी शुरू से ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहीं। बचपन में उन्होंने ''बाल चरखा संघ'' की स्थापना की और असहयोग आंदोलन के दौरान कांग्रेस पार्टी की सहायता के लिए 1930 में बच्चों के सहयोग से ''वानर सेना'' बनाई। सितंबर 1942 में उन्हें जेल में डाल दिया गया। 1947 में इन्होंने महात्मा गांधी के मार्गदर्शन में दिल्ली के दंगा प्रभावित क्षेत्रों में कार्य किया। बचपन से ही उनके मन में देश प्रेम एवं देश सेवा की भावना रही जिसे उन्होंने अपनी अंतिम सांस तक निभाया। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री संगठन राजेन्द्र सिंह भंडारी, प्रदेश उपाध्यक्ष लालचन्द शर्मा, पूर्व कोषाध्यक्ष आर्येन्द्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र शाह, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला, पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला, पूर्व विधायक राजकुमार, प्रदेश महामंत्री अश्विनी बहुगुणा, सुरेन्द्र रांगड़, कोषाध्यक्ष गोदावरी थापली, नवीन जोशी, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह, प्रदेश सचिव अमेन्द्र सिंह बिष्ट, यशपाल चौहान, विनीत प्रसाद भट्ट, महानगर अध्यक्ष जसविंदर सिंह गोगी, ब्लाक अध्यक्ष विरेन्द्र पंवार, ललित भद्री, प्रशांत खंडूरी, रितेश जोशी, जागीर खान, आशा शर्मा, गुल मोहम्मद, लाखीराम बिजलवाण, सुशील डोभाल, सुलेमान अली, शरीफ बेग, निखिल कुमार, अमीचन्द, अजय बेनवाल, पुनीत कुमार आदि अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जयंती पर पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को किया याद

संवाददाता

देहरादून। देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी को उनकी जयंती पर नेताजी संघर्ष समिति ने उनको याद किया।

आज यहां देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने आज उन्हें अपने कार्यालय कांवली रोड पर याद किया।

इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि इंदिरा गांधी ने सदैव ही देश के हितों को सर्वोपरि समझा सभी राजनीतिक दलों को भी साथ रखकर देश की सेवा की विपक्ष से भी समय-समय पर सहयोग लेती रही। आज वह हमारे बीच नहीं है लेकिन उनकी यादें और उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा उनकी याद दिलाते रहेंगे। उनके 20 सूत्री कार्यक्रमों को हमें जन जन तक पहुंचाना है यही सच्ची श्रद्धांजलि इंदिरा के प्रति होगी। स्वर्गीय इंदिरा गांधी को याद करने वालों में प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती, विपुल नौटियाल, पारस यादव, इलियास कुरैशी, गुलाम मुस्तफा, सुशील विरमानी,पारस यादव, नितिन राठौड़,संदीप गुप्ता, जय बिष्ट, विनोद असवाल आदि उपस्थित रहे।

हनीट्रैप: स्टोन क्रशर कारोबारी से सात करोड़ की वसूली का आरोप

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी में हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें लालकुआं के रहने वाले 62 साल के कारोबारी सुभाष चंद ने महिला सहित सात लोगों पर करीब सात करोड़ रुपये की वसूली का आरोप लगाया है। कारोबारी स्टोन क्रशर और पेट्रोल पंप का काम करते हैं। उनकी शिकायत पर हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने ज्योति सिंह, मोहम्मद मुस्तकीम, कुंदन कुमार, पंकज और सोनम उर्फ दिनेश वाले समेत दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गयी शिकायत के अनुसार यह पूरा खेल साल 2015 में शुरू हुआ था, जब ज्योति सिंह एक व्यक्ति के साथ कारोबारी के स्टोन क्रशर पर पहुंची थी और मुकदमा चलने और पैसों की परेशानी बताकर मदद मांगी थी। इसके बाद दोनों के बीच जान पहचान बढ़ गई। कारोबारी का आरोप है कि एक दिन महिला ने उसे पूजा के बहाने अपने घर बुलाया और प्रसाद में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया, जिसके बाद उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए गए। उन्हीं फोटो वीडियो को वायरल

◆महिला सहित सात पर मुकदमा दर्ज

करने और दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर उससे लगातार वसूली की जाने लगी। बदनामी के डर से कारोबारी ने साल 2016 में 45 लाख रुपये दे दिए थे, लेकिन इसके बाद भी वसूली नहीं रुकी।

कारोबारी का कहना है कि साल 2022 में ज्योति ने दोबारा संपर्क किया और अपनी बेटी होने की बात बताई, इसके बाद साथियों के साथ मिलकर दबाव बनाकर करीब पांच करोड़ रुपये नकद और ऑनलाइन तरीके से वसूल लिए गए। साथ ही करीब दो करोड़ रुपये कीमत के चार प्लॉट भी अपने और करीबियों के नाम करा लिए गए, जिनमें एक प्लॉट ज्योति के नाम, दो उसकी बेटी के नाम और एक मोहम्मद मुस्तकीम के नाम कराने का आरोप है। इसके अलावा एक कार और एक स्कूटी भी हड़पने का आरोप लगाया गया है।

कारोबारी का यह भी कहना है कि पांच नवंबर को ज्योति काठगोदाम के हाईडिल गेट पर उसके छोटे भाई के घर पहुंचकर फिर से पैसों की मांग करने लगी, जिसके बाद उसने हिम्मत करके 17 नवंबर की रात कोतवाली में शिकायत दी। पुलिस का कहना है कि मामले में लेनदेन, प्लॉटों की रजिस्ट्री और धमकी से जुड़े सबूतों की जांच की जा रही है, जिसके बाद ही पूरी सच्चाई सामने आ पाएगी।

दो लोगों के खाते से निकाले दो लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात ठगों ने दो लोगों के खाते से दो लाख रूपये निकाल लिये। पुलिस ने दोनों का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामपुर निवासी हरीश प्रसाद व गुमानीवाला निवासी दर्मियान सिंह रावत ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि अज्ञात ठगों के द्वारा उनके खाते से एक-एक लाख रूपये निकाल लिये हैं। पुलिस ने दोनों के मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्कूटी सवार युवकों ने लूटा मोबाइल

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी सवार युवक मोबाइल लूटकर फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुमानीवाला निवासी विकास ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह मंशा देवी मार्ग पर फोन पर बात करते हुए जा रहा था तभी पीछे से स्कूटी मे सवार दो लोग वहां पर आये और उसके हाथ पर झपटा मारकर उसका मोबाइल लूटकर फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अधूरे सवालों की 'अग्निपरीक्षा'...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

और नए संगठन भी अपनी संभावनाएं तलाश रहे हैं। यूकेडी मिशन 2027 के तहत अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में जुटी है। सर्वजन सनातन पार्टी और अन्य संगठन भी चुनावी मैदान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी कर रहे हैं। इन दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे स्थानीय मुद्दों को चुनावी ताकत में कितना बदल पाते हैं। यदि वह भाजपा और कांग्रेस के बीच सिमटी राजनीति में तीसरा विकल्प बनने में सफल होते हैं तो चुनावी समीकरण प्रभावित हो सकते हैं।

उत्तराखंड की राजनीति में इस समय मुद्दों की कमी नहीं है। कमी है तो इन मुद्दों पर ठोस और जवाबदेह राजनीतिक बहस की। हर दल दूसरे की कमजोरियां गिनाने में व्यस्त है। सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों का बखान कर रहा है तो विपक्ष सरकार की नाकामियों की सूची लेकर घूम रहा है। लेकिन प्रदेश की जनता यह जानना चाहती है कि उसके गांव का स्कूल कब सुधरेगा, अस्पताल में डाक्टर कब मिलेगा, युवा को रोजगार कब मिलेगा, पलायन कब रुकेगा और भ्रष्टाचार पर वास्तविक कार्रवाई कब होगी। चुनावी राजनीति में मुद्दों का उभरना लोकतंत्र के लिए सकारात्मक है, लेकिन जब गंभीर सवाल केवल राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू पर तौले जाने लगें तो लोकतांत्रिक विमर्श कमजोर पड़ता है। उत्तराखंड की जनता अब केवल नारों, आरोपों और घोषणाओं से संतुष्ट होने वाली नहीं है। उसे जवाब चाहिए, हिसाब चाहिए और परिणाम चाहिए।साफ है कि 2027 का चुनाव केवल भाजपा बनाम कांग्रेस का मुकाबला नहीं होगा। यह उन तमाम अधूरे सवालों की भी परीक्षा होगी, जिन्हें राज्य गठन के 26 वर्षों बाद भी उत्तराखंड की जनता अपने साथ ढो रही है। राजनीतिक दलों के पास मुद्दों की लंबी फेहरिस्त जरूर है, लेकिन जनता के सामने असली सवाल एक ही हैकृजिस उत्तराखंड के सपने के लिए राज्य बनाया गया था, वह आखिर कब जमीन पर उतरेगा?

उत्तराखंड में 'चुनावी मोड' में दल..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है। भाजपा के सामने चुनौती है कि वह इन मुद्दों को केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित न रहने दे, बल्कि जनता के सामने ठोस जवाब रखे।

भाजपा के इस अभियान की एक बड़ी वजह कांग्रेस की बढ़ती राजनीतिक सक्रियता भी है। कांग्रेस जहां सरकार के खिलाफ जनमुद्दों को लेकर माहौल बनाने की कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा विपक्ष के आरोपों को राजनीतिक नैरेटिव के जरिए जवाब देने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी के सामने लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का लक्ष्य है। उत्तराखंड के राजनीतिक इतिहास में यह अपने आप में बड़ी चुनौती है। लगातार दो कार्यकाल के बाद सरकार के खिलाफ पैदा होने वाली नाराजगी, विधायकों के प्रति असंतोष और टिकट के दावेदारों की बढ़ती संख्या भी भाजपा के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। ऐसे में चुनावी समितियों में किसे जगह मिलती है और किसे संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाती है, इसका राजनीतिक संदेश भी निकलेगा। समिति गठन में क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन के साथ वरिष्ठता और संगठनात्मक अनुभव के बीच तालमेल बैठाना नेतृत्व के लिए आसान नहीं होगा।

प्रदेश चुनाव कार्यालय का उद्घाटन भाजपा की चुनावी तैयारियों को संस्थागत रूप देने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसके बाद सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव कार्यालय खोलने की भी तैयारी है। इससे चुनावी गतिविधियों को स्थानीय स्तर पर संचालित करने और संगठन की निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। दरअसल, भाजपा अब चुनाव को केवल सरकार बनाम विपक्ष की लड़ाई के रूप में नहीं देख रही, बल्कि इसे संगठन की ताकत, नेतृत्व की स्वीकार्यता और सरकार के कामकाज की परीक्षा के रूप में भी देख रही है। संकल्प पत्र और चुनावी समितियों के गठन से पार्टी अपने इरादे तो स्पष्ट करेगी, लेकिन असली परीक्षा जनता के बीच उन इरादों को विश्वास में बदलने की होगी। भाजपा के सामने इस बार सिर्फ सत्ता में वापसी का लक्ष्य नहीं, बल्कि उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का इतिहास रचने की महत्वाकांक्षा है। यही कारण है कि पार्टी चुनाव से कई महीने पहले अपनी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। संकल्प पत्र में भविष्य के सपने होंगे, समितियों में चुनावी रणनीति और चुनाव कार्यालय में सत्ता वापसी की पटकथा लिखने की कोशिश। लेकिन इस पटकथा का अंतिम फैसला संगठन के कार्यालयों में नहीं, उत्तराखंड की जनता के बीच होगा।

कुंभ मेला 2027: 15 मार्च को होगा देव डोलियों एवं देव स्वरूपों का अमृत स्नान

संवाददाता

देहरादून। कुंभ मेला 2027 में 15 मार्च 2027 का दिन देवभूमि उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति, देव परंपरा एवं विरासत के लिए ऐतिहासिक बनने जा रहा है।



यहां हरिद्वार कुंभ मेला 2027 में 15 मार्च 2027 का दिन देवभूमि उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति, देव परंपरा एवं विरासत के लिए ऐतिहासिक बनने जा रहा है। इस दिन संपूर्ण उत्तराखण्ड से आने वाली देव डोलियां एवं देव स्वरूप अखाड़ों की तर्ज पर विधि-विधान एवं धार्मिक परंपराओं के साथ कुंभ स्नान करेंगी। इसी ऐतिहासिक निर्णय के लिए श्री देवभूमि लोक संस्कृति विरासतीय शोभा यात्रा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष हर्षमणि व्यास के नेतृत्व में समिति के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर उनका हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

समिति ने मुख्यमंत्री द्वारा 15 मार्च 2027 को देव डोलियों एवं देव स्वरूपों के महाकुंभ स्नान को अखाड़ों की तर्ज पर 'अमृत स्नान' के रूप में शामिल किए जाने के निर्णय को ऐतिहासिक, अभिनन्दनीय एवं देवभूमि की लोक संस्कृति के लिए गौरवपूर्ण बताया। समिति के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इस निर्णय से उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति, देव परंपरा, धार्मिक आस्था एवं सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और नई पहचान प्राप्त होगी। इस निर्णय से प्रदेशभर के देवभक्तों, पुजारीगणों एवं श्रद्धालुओं में अत्यंत हर्ष एवं उत्साह है। समिति ने बताया कि देव डोलियां प्रत्येक कुंभ एवं अर्धकुंभ में संपूर्ण उत्तराखण्ड से हरिद्वार पहुंचती रही हैं। इस बार श्री देवभूमि लोक संस्कृति विरासतीय शोभा यात्रा समिति, उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से इस आयोजन को और अधिक दिव्य, भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने की तैयारी कर रही है। समिति द्वारा संपूर्ण उत्तराखण्ड में देव डोलियों एवं देव स्वरूपों को इस महाआयोजन के लिए आमंत्रित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। 14 मार्च 2027 को ऋषिकेश में भव्य शोभायात्रा तथा 15 मार्च 2027 को हरिद्वार में बैरागी कैंप से हर की पैड़ी तक मुख्य शोभायात्रा एवं अमृत स्नान प्रस्तावित है। प्रतिनिधिमंडल ने आयोजन को सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए मुख्यमंत्री जी के समक्ष विभिन्न आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु दिशा-निर्देश प्रदान करने का अनुरोध किया है कि देव डोलियों के परिवहन की शासकीय व्यवस्था। वाद्य यंत्र एवं आवश्यक सामग्री के परिवहन हेतु पृथक व्यवस्था। मार्ग व्यय, भोजन एवं जलपान की व्यवस्था ऋषिकेश, हल्द्वानी, श्रीनगर, उत्तरकाशी सहित संपूर्ण यात्रा मार्ग पर कुंभ मेला क्षेत्र में आवंटित स्थान पर टेंट/पंडाल एवं सुरक्षित परिसर की व्यवस्था। मुख्य मंच, श्रद्धालुओं के लिए भोजन, पेयजल, विद्युत एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था। शोभायात्रा एवं सुरक्षा व्यवस्था ख़ 14 मार्च को ऋषिकेश तथा 15 मार्च को हरिद्वार में विशेष सुरक्षा व्यवस्था। 9 मार्च 2027 को धर्म-ध्वजा स्थापना से 15 मार्च तक प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन। देव डोलियों एवं देव स्वरूपों के प्रतिनिधियों के लिए सम्मान, स्मृति-चिह्न एवं सहभागिता प्रमाण-पत्र। उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति एवं देव परंपरा पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का आयोजन। मुख्य शोभायात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की व्यवस्था। देव डोलियों, शोभायात्रा एवं अमृत स्नान के लिए विशेष सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था। आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार, ताकि देश-विदेश से श्रद्धालु इस ऐतिहासिक आयोजन में सहभागी बन सकें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना तथा कुंभ मेला 2027 में देव डोलियों एवं देव स्वरूपों के अमृत स्नान को दिव्य एवं भव्य बनाने के लिए आवश्यक सहयोग एवं व्यवस्थाओं का आश्वासन दिया। श्री देवभूमि लोक संस्कृति विरासतीय शोभा यात्रा समिति ने समस्त देवभक्तों, पुजारीगणों, देव डोली संचालकों, सांस्कृतिक संगठनों एवं श्रद्धालुओं से इस ऐतिहासिक महाआयोजन में सहभागी बनने का आह्वान किया है। समिति का विश्वास है कि 15 मार्च 2027 का यह अमृत स्नान उत्तराखण्ड की देव संस्कृति, लोक परंपरा और आध्यात्मिक विरासत को देश-दुनिया के सामने गौरव के साथ प्रस्तुत करेगा।

मसूरी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर मंत्री ने की बैठक

संवाददाता

देहरादून मसूरी विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यो को लेकर मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।



आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कैंप कार्यालय में लोक निर्माण विभाग एवं मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक कर मसूरी विधानसभा क्षेत्र में संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी लेते हुए अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने विजय कॉलोनी, पुरुकुल, मोटीधार-मरसाना, बर्लोगंज-चमासारी, किमाड़ी मोटर मार्ग, क्यारा-धनोल्टी, बिष्ट गांव, घट्टीखोला, सालावाला एवं मंदाकिनी पुल सहित विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे तथा प्रस्तावित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री गणेश जोशी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आंतरिक मार्गों, सड़कों की मरम्मत, सीसी मार्गों, सेतु निर्माण तथा बरसात के दौरान क्षतिग्रस्त हुए मार्गों एवं अन्य परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने वन स्वीकृति, री-टेंडरिंग एवं शासन स्तर पर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को भी निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने एमडीडीए के अधिकारियों को मसूरी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर स्ट्रीट लाइट एवं सोलर लाइट लगाने, सौंदर्यीकरण और सुधारीकरण से संबंधित कार्यों को सुनियोजित ढंग से निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य वीर सिंह चौहान, पार्षद भूपेंद्र कठेत, सुरेंद्र राणा, धीरज ठाकुर, किरन, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता दीपक कुमार, एमडीडीए के अधिशासी अभियंता सुनील कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने 23 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण



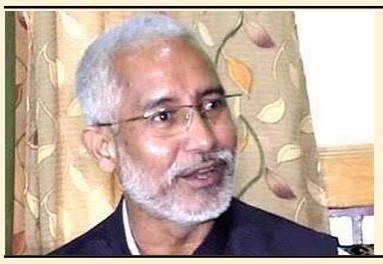
संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोलागढ़ देहरादून में आयोजित जनसभा में कैंट विधानसभा क्षेत्र की 48.44 करोड़ रुपये की लागत की 23 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 29.41 करोड़ रुपये की लागत की 10 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 19.03 करोड़ रुपये की लागत की 13 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से उत्तराखण्ड ने नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश में गरीबी का स्तर वर्ष 2021-22 के 9.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2024-25 में 6.92 प्रतिशत रह गया है। वर्ष 2022 में प्रदेश में 702 स्टार्टअप थे, जिनकी संख्या बढ़कर 1,900 से अधिक हो गई है। एमएसएमई इकाइयों की संख्या भी 60 हजार से बढ़कर लगभग एक लाख हो गई है। पर्यटन क्षेत्र में होटलों और होमस्टे की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मातृशक्ति के सम्मान, स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश की तीन लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों एवं सहायिकाओं, आशा कार्यकर्तियों तथा भोजन माताओं के मानदेय में एक दिसंबर 2026 से वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही लखपति दीदियों एवं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं को श्बैणि-भूली योजनाश के अंतर्गत दो किस्तों में प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का भी निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक सद्भाव और नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने के साथ ही सख्त धर्मांतरण विरोध ी कानून, दंगारोधी कानून और भू-कानून जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के अभियान के तहत 13 हजार एकड़ से अधिक भूमि कब्जामुक्त कराई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए पिछले पांच वर्षों में प्रदेश के 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, जनप्रतिनिगण, जिलाधिकारी देहरादून डॉ. आशीष चौहान, एसएसपी प्रमेंद्र डोभाल, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दीपक सैनी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

कांग्रेस की आवाज दबाने में जुटी धामी सरकारः टम्टा



◆धारचूला में तीन कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर भड़के पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप टम्टा

◆बोले- पुलिस का भय दिखाकर विपक्ष को नहीं कर सकते खामोश, 2027 में सत्ता परिवर्तन तय

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सियासी टकराव तेज होने लगा है। धारचूला में कांग्रेस के तीन कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी ने सरकार और विपक्ष के बीच टकराव को और हवा दे दी है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप टम्टा ने तीनों कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए सरकार को दो टूक कहा है कि पुलिस का भय दिखाकर कांग्रेस की आवाज को दबाया नहीं जा सकता।

टम्टा ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी यह समझ लें कि पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारियों के सहारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हौसले नहीं तोड़े जा सकते। विपक्ष जनता के सवाल उठाता रहेगा और सरकार की नीतियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करता रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाइयों से कांग्रेस का संघर्ष रुकने वाला नहीं है।

प्रदीप टम्टा ने अपने बयान में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भी बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बदलाव तय है। सरकार चाहे जितना पुलिस का भय दिखा ले, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दबाया नहीं जा सकता। टम्टा के इस हमलावर रुख से साफ है कि कांग्रेस अब सरकार की पुलिस कार्रवाई को भी चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। धारचूला की तीन गिरफ्तारियां महज स्थानीय घटनाक्रम तक सीमित रहेंगी या प्रदेशव्यापी राजनीतिक विरोध का रूप लेंगी, यह आने वाले दिनों में साफ होगा। लेकिन इतना तय है कि 2027 की चुनावी जंग से पहले सरकार और कांग्रेस के बीच टकराव लगातार बढ़ रहा है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला घायल

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवनगढ निवासी अजवीर सिंह ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी भाभी सविता बाजार से घर की तरफ आ रही थी। जब वह कालिंदी अस्पताल के पास पहुंची तभी अज्ञात वाहन ने उनको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट में एक ही परिवार के तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर एक ही परिवार के तीन लोगों पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माजरा निवासी रविन्द्र परमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले दिनेश धीमान उसका पुत्र कुमार मृत्युजय व उसकी पत्नी नीलम ने उसको रास्ते में रोककर उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महिला की हत्या में पुलिस के हाथ लगे नये सुराग, जल्द खुलासे का दावा

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के जंगल में महिला का शव कूड़े के ढेर के पास से बरामद होने के मामले में पुलिस को जांच के दौरान कुछ नये सुराग हाथ लगे है। पुलिस को सीसी कैमरे में शव बरामद होने से पहले दिन रात के समय एक कार उस कूड़े के ढेर के समीप जाती हुई दिखायी दी है। जिसके बाद पुलिस को दावा है कि घटना का जल्द खुलासा कर दिया जायेगा।

बता दें कि बीती शाम करीब 6 बजे थाना प्रेमनगर को सूचना मिली कि प्रेमनगर क्षेत्रान्तर्गत जामुनवाला में जंगल के अन्दर कूडे के ढेर के पास एक महिला का शव पडा हुआ है, उक्त सूचना पर थाना प्रेमनगर से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा, मौके पर एक महिला का शव कूडे के ढेर में पडा हुआ था, जिसके चेहरे व गले पर गहरे घाव के निशान थे। प्रथम दृष्टया उक्त महिला की किसी अन्य स्थान पर हत्या कर शव को छिपाने के उद्देश्य से उक्त स्थान पर फेंका जाना प्रकाश में आया हैं।

मौके पर फॉरेसिंक व एफएसएल की टीमों को बुलाकर घटनास्थल व उसके आसपास से आवश्यक साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गई। साथ ही मृतका की फोटो व हाथ मे बने टैटू की फोटो को सोशल मीडिया में प्रचारित/प्रसारित करते हुए उसकी शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे है।

घटना की गंभीरता के दृष्टिगत चौकी प्रभारी बिधोली द्वारा स्वयं वादी बनकर घटना के संबंध में थाना प्रेमनगर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। जिसकी जांच थानाध्यक्ष प्रेमनगर द्वारा की जा रही है। साथ ही एसएसपी के निर्देश पर क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है, जिनके द्वारा घटनास्थल व उसके आसपास आने जाने वाले मार्गो पर लगे सीसीटीवी फुटेजो के अवलोकन के साथ- साथ सर्विलांस व अन्य माध्यमो से घटना में शामिल संदिग्धों के संबंध में जानकारी एकत्रित की जा रही है।

घटनास्थल व उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के अवलोकन में पुलिस को एक महत्वपूर्ण सुराग मिला है, जिसमें 17 नवम्बर की रात्रि में घटनास्थल के पास पुलिस को एक संदिग्ध कार जाती हुई दिखायी दी है, जिसके सम्बंध में और अधिक जानकारी एकत्रित की जा रही है, जल्द ही घटना का अनावरण किया जायेगा।

पीआरडी जवानों पर लाठीचार्ज लोकतांत्रिक अधिकारों का हननः गोदियाल

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने 18 नवम्बर को देहरादून में अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे पीआरडी (प्रांतीय रक्षक दल) के जवानों पर पुलिस द्वारा किए गए बर्बर लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार अपनी जायज मांगों को लेकर आवाज उठाने वाले कर्मचारियों, युवाओं और महिलाओं की आवाज को पुलिस की लाठियों के दम पर दबाना चाहती है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह के माध्यम से जारी बयान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि पीआरडी जवान लंबे समय से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। ये वही जवान हैं जो प्रदेश की कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, आपदा प्रबंधन तथा विभिन्न सरकारी विभागों में अपनी सेवाएं देते हुए राज्य की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद उनके भविष्य, रोजगार की सुरक्षा, नियमित ड्यूटी और सम्मानजनक पारिश्रमिक जैसे मुद्दों पर सरकार की उदासीनता समझ से परे है। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकार है। सरकार का दायित्व है कि वह आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करे,



लेकिन भाजपा सरकार संवाद के बजाय लाठीचार्ज का रास्ता अपना रही है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रदेश की सेवा करने वाले जवानों को अपनी ही सरकार के सामने न्याय की गुहार लगाने पर पुलिस की लाठियां खानी पड़ रही हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उत्तराखंड राज्य का गठन ही जनसंघर्षों, आंदोलनकारियों के त्याग और बलिदान के परिणामस्वरूप हुआ है। ऐसे प्रदेश में अपनी मांगों के लिए संघर्ष कर रहे लोगों पर बल प्रयोग करना राज्य निर्माण की मूल भावना के विपरीत है। गोदियाल ने सरकार से मांग की कि पीआरडी जवानों पर लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए तथा घायल जवानों को उचित उपचार एवं मुआवजा दिया जाए। साथ ही पीआरडी जवानों की जायज मांगों पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लेते हुए उनके रोजगार, सेवा सुरक्षा और सम्मानजनक भविष्य को सुनिश्चित किया जाए।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।